बालमन

Powered by Teachers of Bihar

अक्टूबर-2023 अंक-10

प्रखंड: चाँद

जिला: कैमूर

प्रधान संपादक

प्रमोद कुमार" निराला "

Pramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |

wwww.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

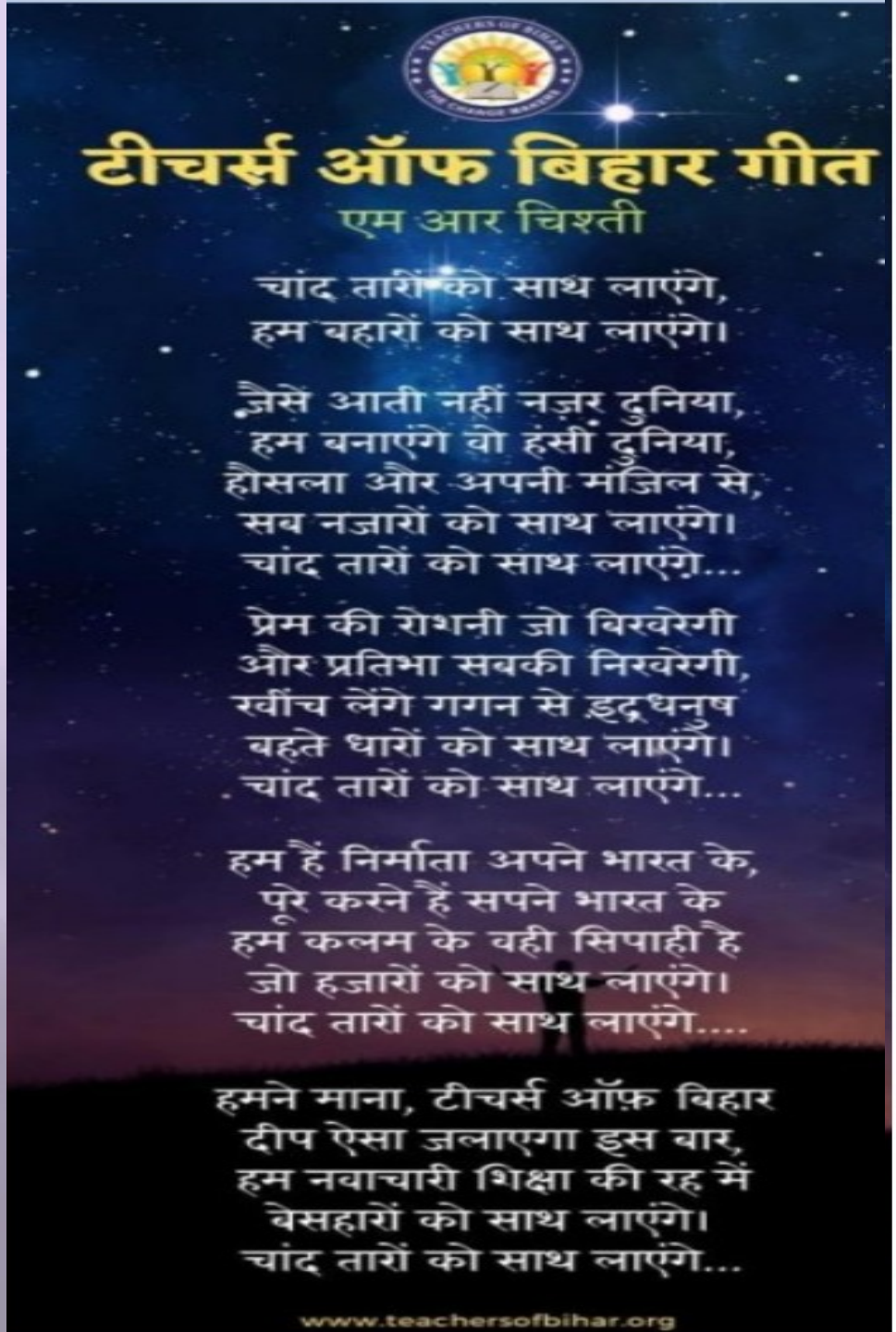

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंजिल से,
सब नजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखरेगी
और प्रतिभा सबकी निखरेगी,
खींच लेंगे गगन से इन्द्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र / छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

आश्विन मास पितृपक्ष पूर्वजों को याद करते-करते, नवरात्रि का शुभारंभ पूर्णतय भक्तिमय में लीन होकर, विजयदशमी में पाप, काम,क्रोध,मोह,लोभ, घमंड, स्वार्थ, जलन,अहंकार, व अन्याय रूपी रावण को परास्त कर,मानव के समाज में मन में आई नई ऊर्जा, बुराई के प्रति अच्छाई की जीत और नई आग्रह की भावना लाकर, धर्म के पालन हेतु आकर्षित करता है। हमारे उल्लास में परिवार के साथ मिलकर ये पावन त्यौहार शोभनीय और रमणीय बना देते हैं ।

पत्रिका के इस अंक को समर्पित करते हुए आपकी रचनात्मक कला को देखकर अपार खुशी हो रही है। हम सभी बालमन टीम सदैव आपकी रचनात्मक कला को सम्मानित करते हैं। साथ ही आप सभी बच्चे अपने-अपने विद्यालय में निरंतर नवाचार करते रहें,अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दें। आपके पास कोई कला है, तो उसको हम तक जरूर पहुंचाएं।

आप सभी के साथ हमारे बालमन चांद, कैमुर की टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदा प्रयत्नशील है अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई है तो उसके लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं। आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

आपका

प्रमोद कुमार

क.म.वि.चांद, कैमूर

सहयोगी सदस्य

1-उदय पांडे, म.वि.चांद

2-मो.असलम, म.वि.चांद

3- प्रीति कुमारी,उ.म.वि.धोबहां

4-मीरा कुमारी,उ.माध्यमिक वि.भलुहारी

5-विनीतातिवारी, प्रा.वि.किशनपुरा

6- सुमन सिंह पटेल,क.म.वि.चांद

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

Teachers of Bihar

बालमन

आपकी बात

अपने सरकारी विद्यालयों के इन बच्चों को देखकर, इनके हुनर और प्रतिभा को देखकर मन बहुत ही प्रफुल्लित हो रहा है।

इन बच्चों के भविष्य के निर्माता आपसभी गुरुजनों को सहृदय धन्यवाद है जो हमारे समाज में ऐसे हीरों को तरास रहे हैं।

क़ाबिल होना बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात है अपनी काबीलियत को सिद्ध करना। और TOB बालमन के इस मंच से हमारे सरकारी विद्यालयों के होनहार प्रतिभावान बच्चे और उन बच्चों के अभिभावकों एवं उनके शिक्षकों की काबीलियत झलक रही है।

सभी बच्चों को स्नेह आशीष एवं गुरुजनों को अशेष धन्यवाद और शुभकामनाएं हैं।

विवेक कुमार(प्रभारी प्रधानाध्यापक)
N.P.S. सरियांव, मोहनियां (कैमूर)

मेरा नाम नेहा कुमारी है। मैं उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव मे वर्ग 9 की छात्रा हूं।टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के बारे में हमे जानकारी अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक सर और कामिनी मैडम के माध्यम से हुई। हम सभी पहले भी अपनी कला को विद्यालय में शिक्षको और विद्यार्थियों के बीच प्रदर्शित करते रहते थे।जब से बालमन पत्रिका की शुरुआत हुई है अब हमारे प्रतिभा को एक मंच मिल गया है,मानो एक नई उड़ान मिल गई हो।सबसे अच्छी बात तो अब मासिक टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के आयोजन से हमारा उत्साह बहुत बढ़ गया है।मैं और मेरे विद्यालय के सभी विद्यार्थी टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा बालमन पत्रिका और प्रधान संपादक महोदय का बहुत बहुत धन्यवाद करती हूं।

नेहा कुमारी (छात्रा)वर्ग 9
UHS कोटा,नुआंव (कैमूर)

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

अक्टूबर 2023

माटी को नमन वीरों का वन्दन,
कण-कण मिट्टी लगता चंदन,
धरती अपनी स्वर्ग से प्यारी,
करते हम इसका अभिनंदन।

नमन हमारा इस धरती को,
देव तरसते जिस धरती को,
जन्म लिया है जहां पे हमने,
सजा के रखें माँ भारती को।

सबसे ममता विश्व से प्रीति,
भारत की बस यही है रीति,
मानव जन्म सफल होगा तब,
विश्व शांति की होगी रीति।

स्वराज पथ पर ध्यान रहे,
बस इतना अभिमान रहे,
रहूँ कहीं मैं भारत में पर,
इसकी रक्षा का ज्ञान रहे।

स्वाधीनता के पावन पथ पर,
भारतवासी रहें,,,, अग्रसर,
पुण्य-धरा यह देवालय है,
खुशबू फैलाएँ,, ज्यों केसर।

मिल जाऊं मैं इस धरती में,
मिट जाऊं मैं इस मिट्टी में।
मातृभूमि की रक्षा खातिर,
मिल जाऊँ मैं इस सृष्टि में।

देश जाति का गौरव अपना,
हम भारत के,भारत अपना,
चांद को छूने की अभिलाषा,
हर भारतवासी का सपना।

मंगलमय हो ,,मंगल इच्छा,
हर जन्म में,,, रहे प्रतीक्षा,
तेरी धरा पर जन्म लूं माते,
'दीप' को दे दो प्यारी भिक्षा।

दिलीप गुप्ता ' दीप '
(प्रधानाध्यापक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
खीरी,भगवानपुर
(कैमूर)

गांधी थे पुतलीबाई के संतान,
उनको जानता है सारा जहान।
सादगी है उनकी पहचान,
कर गए काम महान।।

गुजरात के पोरबंदर में जन्मे,
पुतलीबाई के लाल महान।
बचपन का नाम था मोहनदास करमचंद गांधी,
बदलाव के रूप में ला दिए आंधी।।

गांधीजी के तीन बंदर,
बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो ,बुरा मत बोलो।
यह सूक्ति भी है आज महान,
इनका अनुकरण करे सारा जहान।।

सत्य अहिंसा के पुजारी,
सभी जन के थे प्यारे।
भारत छोड़ो आंदोलन चलाए,
अंग्रेजों को मार भगाए।।

सत्य अहिंसा का मार्ग अपनाए,
पूरी दुनिया को संदेश दिलवाए।
सारी जिंदगी सादगी में गुजारी,
पूरे राष्ट्र के हो गए पुजारी।।

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय
भटवलिया
नआंव कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

अक्टूबर 2023

ज्ञान की चार बात

क राजा के महल में एक सुंदर वाटिका थी, जिसमें अंगूरों की एक बेल लगी थी। वहां रोज क चिड़िया आती और मीठे अंगूर चुन-चुनकर खा जाती और अधपके और खट्टे अंगूरों को नीचे गिरा देती।

ाली ने चिड़िया को पकड़ने की बहुत कोशिश की पर वह हाथ नहीं आई। हताश होकर एव न माली ने राजा को यह बात बताई। यह सुनकर राजा को आश्चर्य हुआ। उसने चिड़िया क सबक सिखाने की ठान ली और वाटिका में छिपकर बैठ गया।

जब चिड़िया अंगूर खाने आई तो राजा ने तेजी दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। जब राजा चिड़िया को मारने लगा, तो चिड़िया ने कहा, हे राजन, मुझे मत मारो। मैं आपको ज्ञान की 4 महत्वपूर्ण बातें बताऊंगी।'

राजा ने कहा, 'जल्दी बता।'

चिड़िया बोली, 'हे राजन, सबसे पहले, तो हाथ में आए शत्रु को कभी मत छोड़ो।'

राजा ने कहा, 'दूसरी बात बता।'

चिड़िया ने कहा, असंभव बात पर भूलकर भी विश्वास मत करो और तीसरी बात यह है कि बीती बातों पर कभी पश्चाताप मत करो।'

राजा ने कहा, अब चौथी बात भी जल्दी बता दो।'

स पर चिड़िया बोली, 'चौथी बात बड़ी गूढ़ और रहस्यमयी है। मुझे जरा ढीला छोड़ दें क्योंकि मेरा दम घुट रहा है। कुछ सांस लेकर ही बता सकूंगी।'

चिड़िया की बात सुन जैसे ही राजा ने अपना हाथ ढीला किया, चिड़िया उड़कर एक डाल प बैठ गई और बोली, ' मेरे पेट में दो हीरे हैं।'

यह सुनकर राजा पश्चाताप में डूब गया। राजा की हालत देख चिड़िया बोली, 'हे राजन, ज्ञान बात सुनने और पढ़ने से कुछ लाभ नहीं होता, उस पर अमल करने से होता है। आपने मे बात नहीं मानी।

मैं आपकी शत्रु थी, फिर भी आपने पकड़कर मुझे छोड़ दिया।

ने यह असंभव बात कही कि मेरे पेट में दो हीरे हैं फिर भी आपने उस पर भरोसा कर लिया आपके हाथ में वे काल्पनिक हीरे नहीं आए, तो आप पछताने लगे।

सोशल मीडिय

ToB बालमन

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

अक्टूबर 202

छोटू : पापा कल हम मालामाल हो जायेंगे।

पापा : वह कैसे बेटा ?

छोटू : कल हमारे गणित वाले सर पैसे को रुपए में बदलना सिखाएंगे !

पिता: बेटा 5 के बाद क्या आता है?

बेटा: 6 और 7 पापा

पिता : शाबाश !मेरा बेटा तो बहुत तेज है ...अच्छा तो 6, 7 के बाद..

बेटा: 8, 9,10

पिता :और उसके बाद?

बेटा: और उसके बाद गुलाम, बेगम और बादशाह!

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

अक्टूबर 2023

. खट्टा शहद ब्राजील के जंगलों में पाया जाता है।

. सऊदी अरब ऐसा देश है, जहां एक भी नदी नहीं है।

कटलफिश नामक मछली का खून नीला होता है।

नार्थ कोरिया में आप अपनी मर्जी के टीवी चैनल नहीं ख सकते। वहां पर आप वही टीवी चैनल देख सकते है सरकार आपको दिखाना चाहे और अगर आप इसका विरोध करते हो तो आपको फांसी तक की सजा भी हो सकती हे।

लगभग 200 करोड़ से ज्यादा लोग अपने नियमित आहार में कीड़े मकोड़े खाते है और अपना पेट भरते है।

ToB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

जेवलिन थ्रो

नीरज चोपड़ा वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नॉमिनेट: 11 दिसंबर को होगा विनर का ऐलान; एशियन गेम्स में जीते थे गोल्ड मेडल

नीरज चोपड़ा के नेशनल अवॉर्ड्स

फोटो मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार की है

2018	2021	2022
अर्जुन अवॉर्ड	मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार	पद्म श्री अवॉर्ड

www.teachersofbihar.org

वर्ल्ड कप 2023

वर्ल्ड कप 2023 के टॉप-5 बैटर्स

खिलाड़ी	रन	मैच	SR	100/50
मोहम्मद रिज़वान	248	3	93.58	1/1
डेवोन कॉन्वे	229	3	104.09	1/0
रोहित शर्मा	217	3	141.83	1/1
क्विंटन डी कॉक	209	2	110.00	2/0
कुसल मेंडिस	207	3	156.81	1/1

www.teachersofbihar.org

TOBTLM SCIENCE 130

धातु एवं अधातु कक्षा 10

अयस्क से धातुओं का निष्कर्षण

अयस्क से धातुओं का निष्कर्षण निम्नलिखित चरणों मे सम्पन्न होता है।

1. अयस्कों की खुदाई (Mining Of Ore)
2. अयस्कों को तोड़कर पिसाई करना (Grinding & Crushing)
3. अयस्कों का सांद्रण
4. सांद्रित अयस्क का धातु के ऑक्साइड में परिवर्तन
5. धातु के ऑक्साइड से धातु का निष्कर्षण
6. धातु का शोधन

धातु एवं अधातु कक्षा 10

धातुओं का निष्कर्षण

पृथ्वी की भूपर्पटी धातुओं का मुख्य स्रोत है।

समुद्री जल में भी सोडियम क्लोराइड, मैग्नेशियम क्लोराइड आदि जैसे कुछ घुलनशील लवण उपस्थित रहते हैं।

पृथ्वी की भूपर्पटी में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले तत्वों या योगिकों को खनिज कहते हैं।

पृथ्वी की भूपर्पटी ऐलुमिनियम का प्रमुख स्रोत है।

ऐसे खनिज जिससे धातुओं का निष्कर्षण करना लाभकारी हो उसे अयस्क कहा जाता है।

सभी अयस्क खनिज होते हैं परंतु सभी खनिज अयस्क नही होते हैं।

TOBTLM SCIENCE 132

धातु और अधातु कक्षा 10

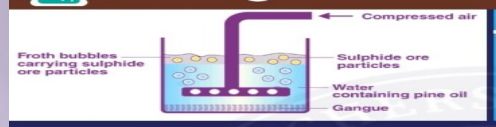

फेन प्लवन विधि (फेन उत्प्लावन विधि)

- इस विधि में सल्फाइड अयस्क के चूर्ण को जल से भरी टंकी में डालते हैं।
- इसके बाद जल में तेल डालकर वायु प्रवाह द्वारा खूब आलोड़ित किया जाता है। घुलनशील अपद्रव्य जल में घुल जाते हैं और अयस्क के हल्के कण फेन के साथ जल के सतह के ऊपर आ जाते हैं जिन्हें अलग कर लिया जाता है।
- अशुद्धियाँ नीचे बैठ जाती है।
- फेन को सुखाकर शुद्ध अयस्क प्राप्त कर लेते हैं।

ताँबा, लेड और जस्ता के सल्फाइड अयस्कों का सान्द्रण इस विधि से किया जाता है।

TOBTLM SCIENCE 131

धातु और अधातु कक्षा 10

अयस्कों का सान्द्रण

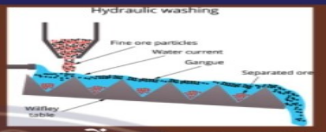

धातुओं के निष्कर्षण के लिए अयस्कों का सान्द्रण बहुत जरूरी है। अयस्कों में उपस्थित अशुद्धियों को विभिन्न विधियों द्वारा साफ किया जाता है।

1. हाथ से चुनकर (Hand Picking) –
   अयस्क में उपस्थित बड़े आकर के टुकड़ों (अशुद्धियों) को हाथ से चुनकर अलग कर लिया जाता है।
2. गुरुत्व पृथक्करण विधि –
   यह विधि वैसे अयस्कों के लिए प्रयुक्त होती है जिसमें अयस्क के कण उसमें उपस्थित अशुद्धियों से भारी होती हैं। अयस्क के चूर्ण को जल के तेज प्रवाह के साथ उसे कई मेढ़ो से युक्त एक कंपन करने वाले टेबल से होकर गुजारा जाता है। ऐसा करने से अयस्क के भारी कण

नन्हें कलाकार

उर्दू प्रा.वि.कंरवन्दिया चांद, कैमुर

नन्हें कलाकार

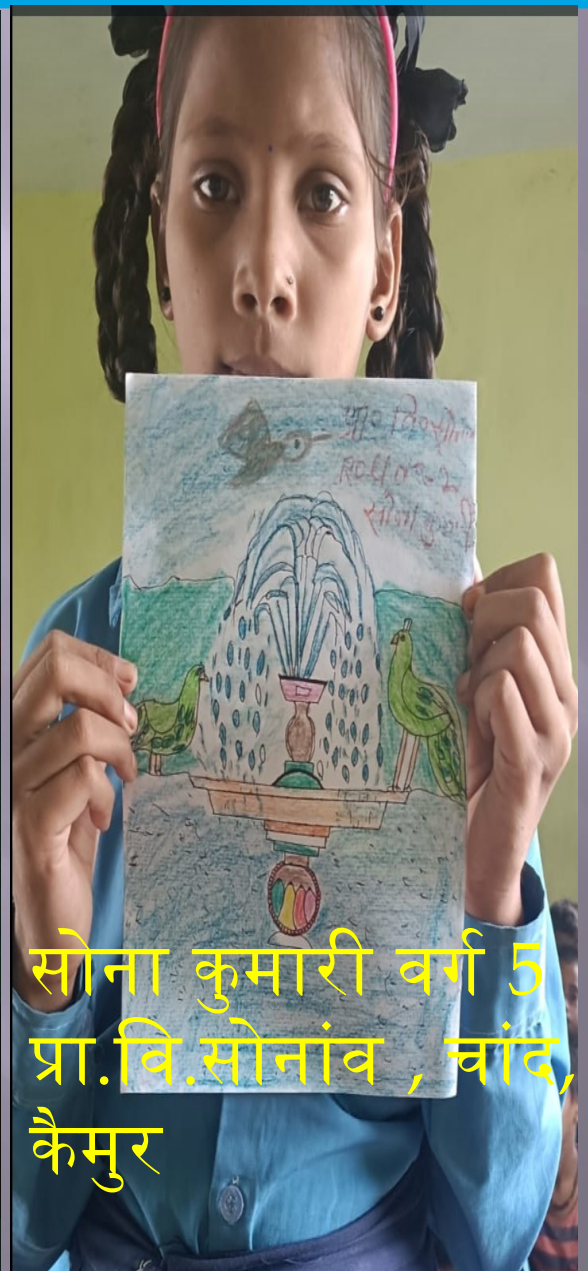

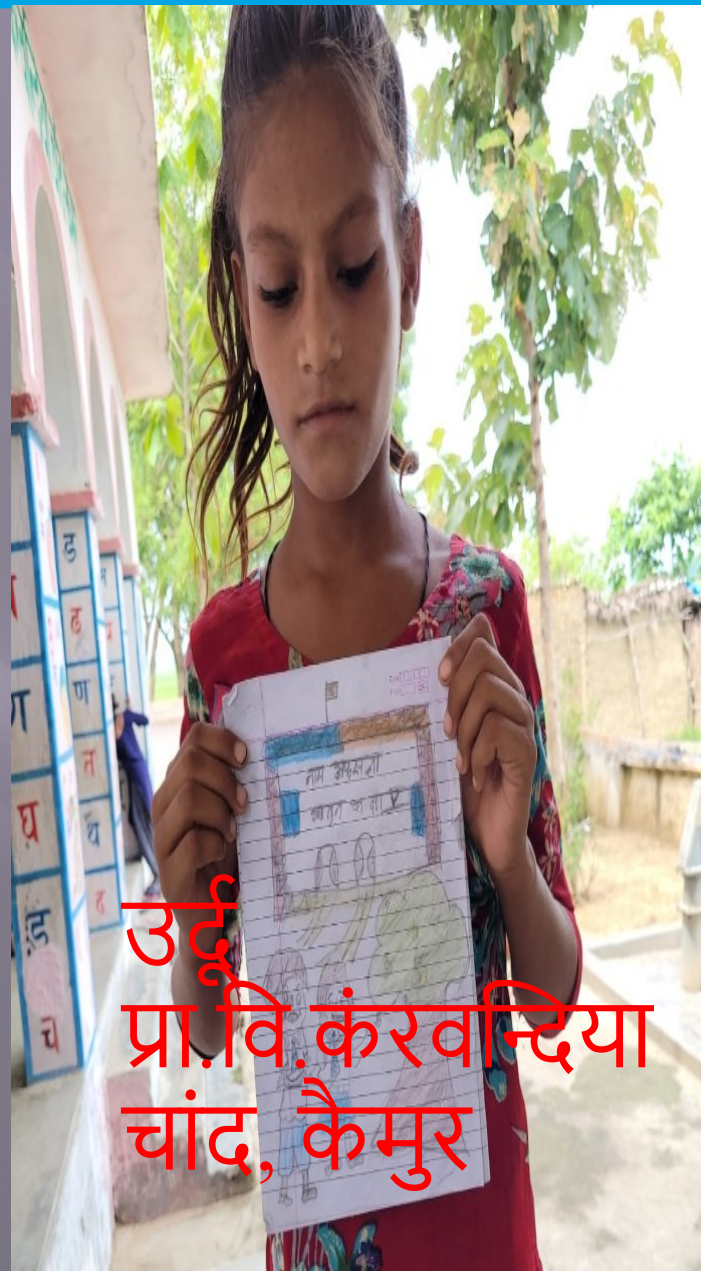

नन्हें कलाकार

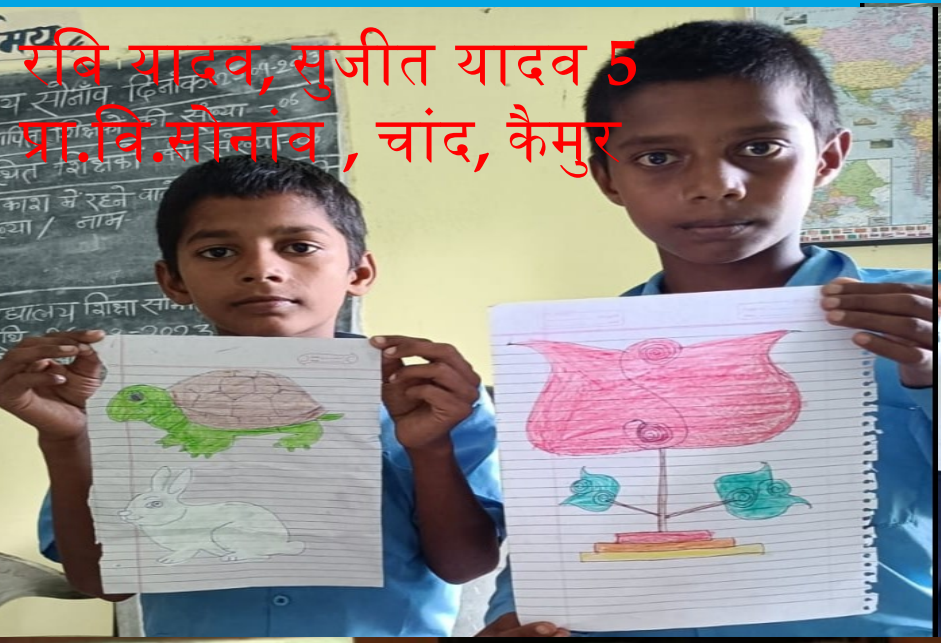
रवि यादव, सुजीत यादव 5
प्रा.वि.सोनांव , चांद, कैमुर

आकांक्षा,मोना, शिवानी 5
प्रा.वि.सोनांव , चांद, कैमुर

प्रा.वि.खरांटी, शिवरामपुर चांद
कैमुर

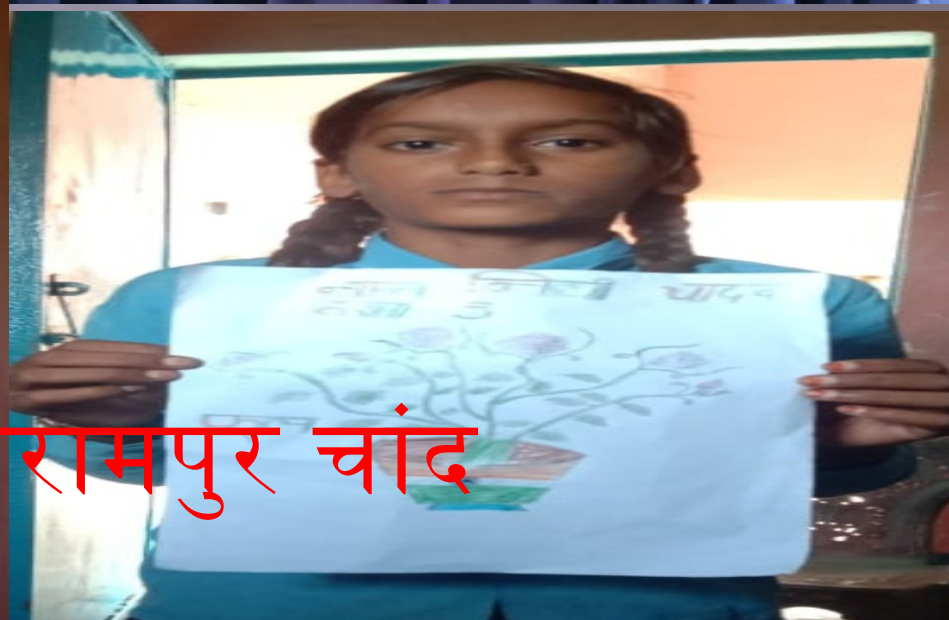

नन्हें कलाकार

क.म.वि.चांद कैमूर

नन्हें कलाकार

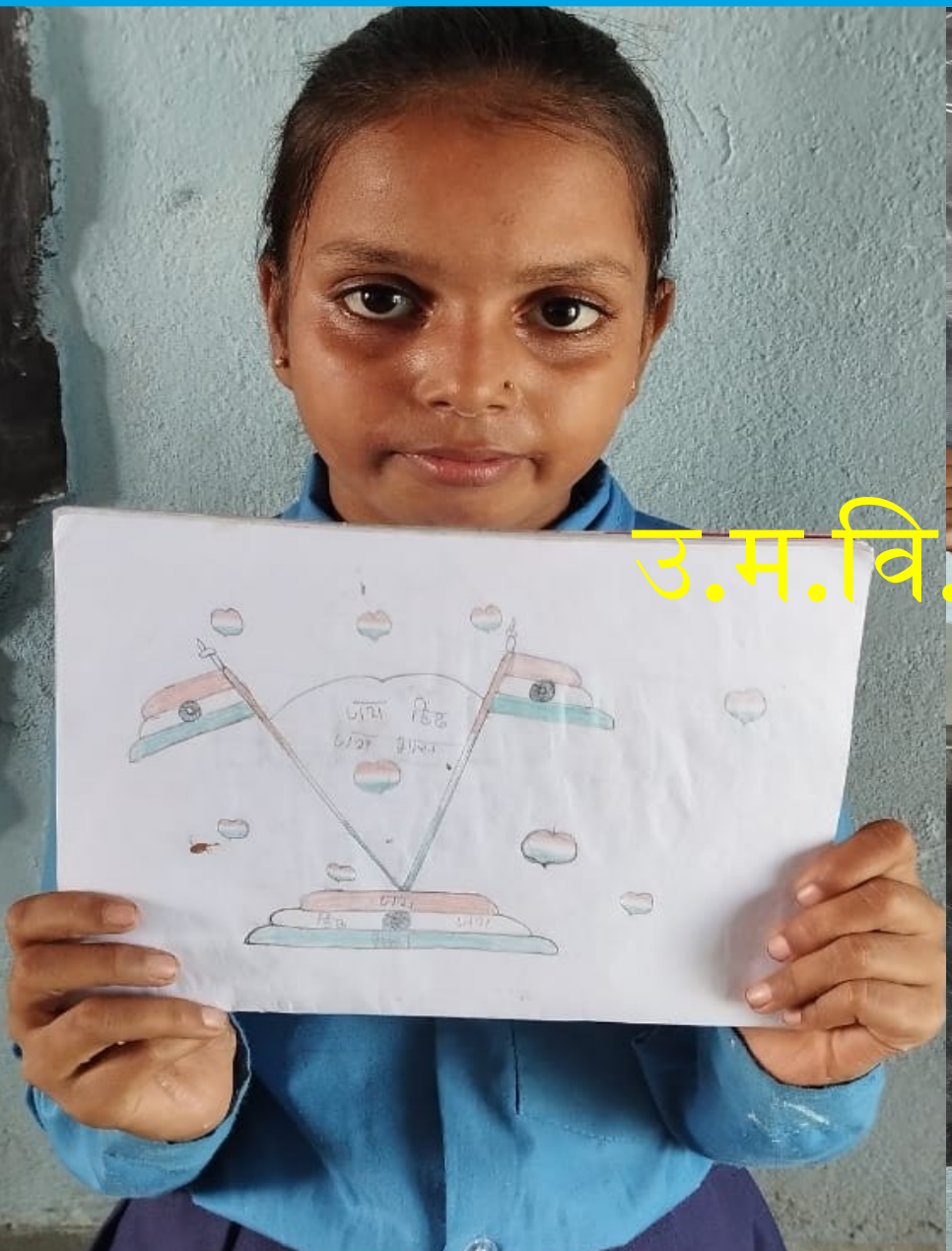

उ.म.वि.धोबहा चांद, कैमुर

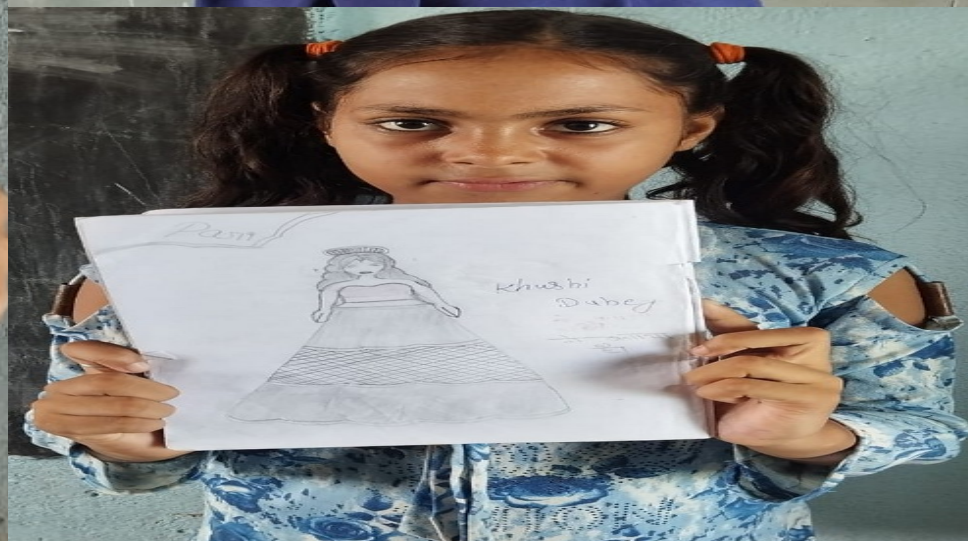

पेन वह पेंसिल

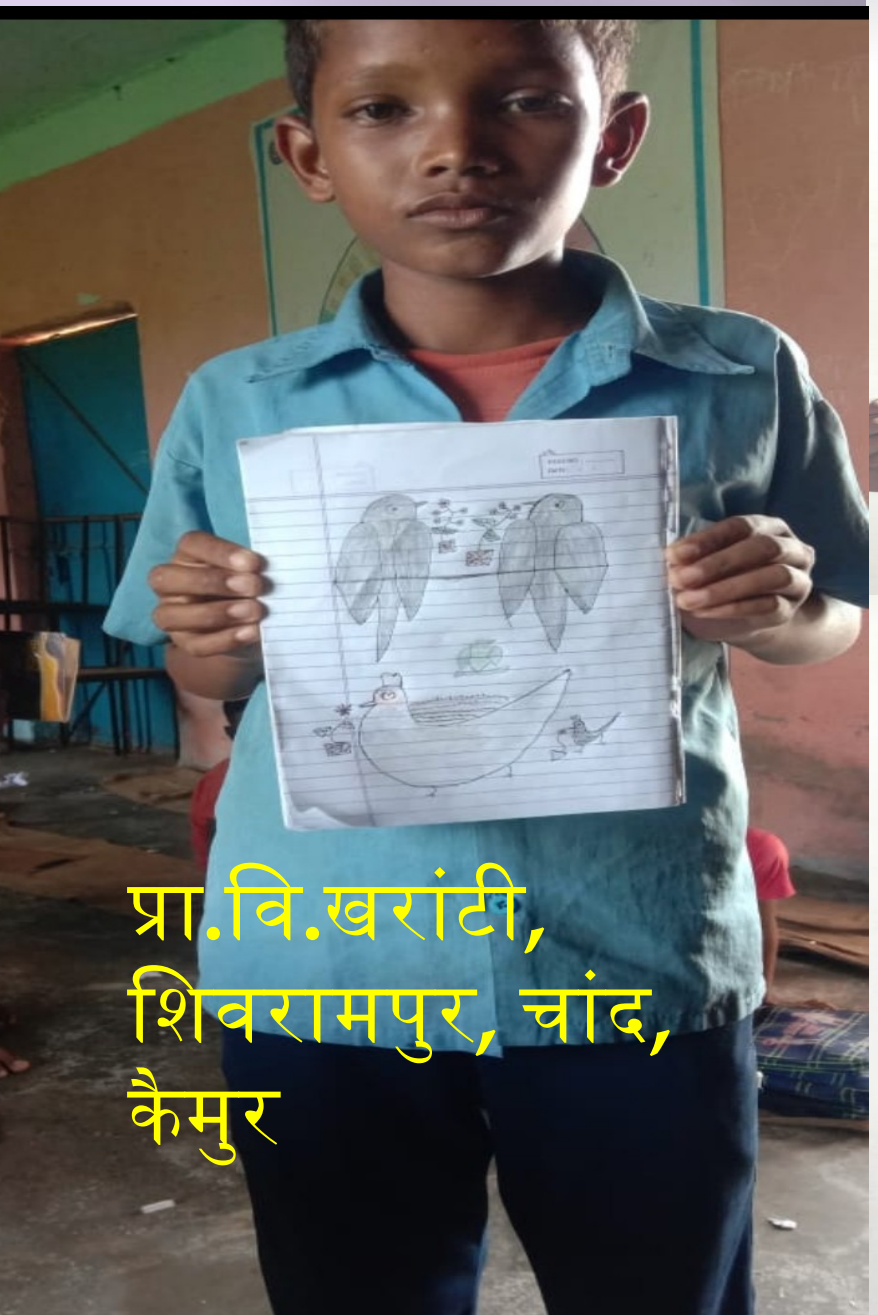

प्रा.वि.खरांटी,
शिवरामपुर, चांद,
कैमुर

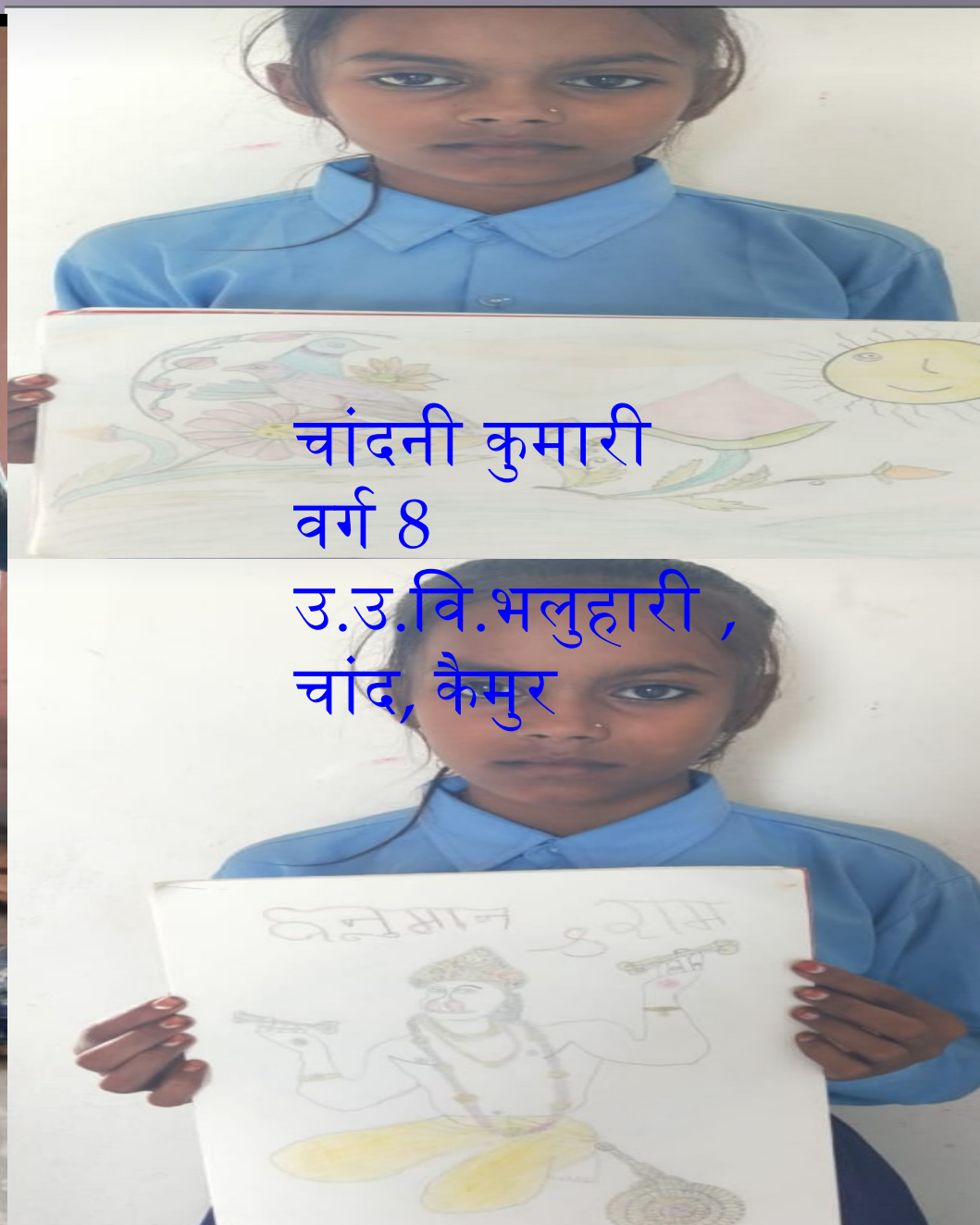

चांदनी कुमारी
वर्ग 8
उ.उ.वि.भलुहारी ,
चांद, कैमुर

पेन वह पेंसिल

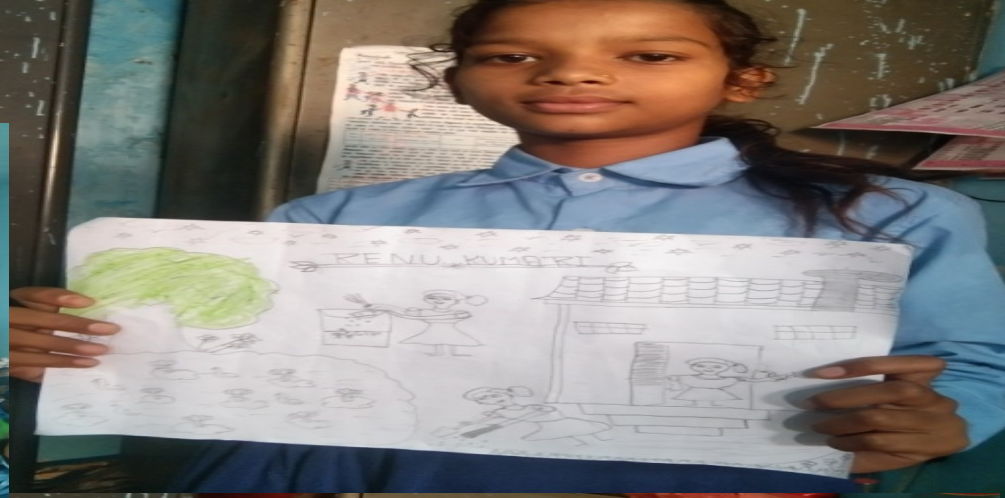

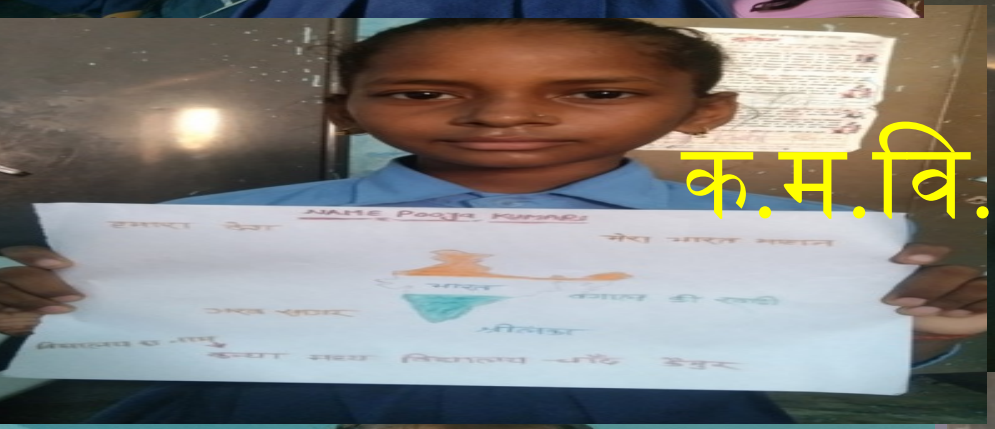

क.म.वि.चांद कैमूर

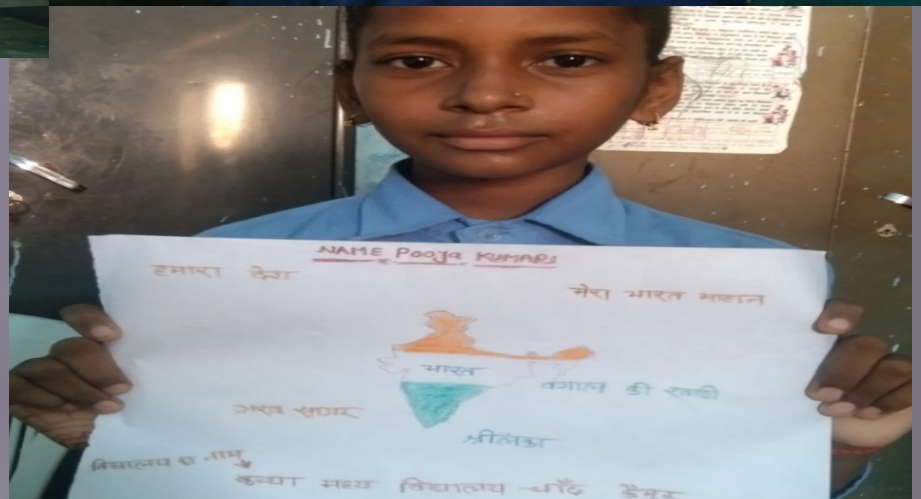

चहक

उर्दू प्रा.वि.कंरवन्दिया चांद, कैमुर

चहक

प्रा.वि.खराटी शिवरामपुर
चांद कैमूर

पर्दा नशीन प्रा.वि.
करवन्दिया , चांद, कैमुर

चहक

पर्दा नशीन प्रा.वि. करवन्दिया
, चांद, कैमुर

चहक

उ.म.वि.कुडी , चांद, कैमुर

क.म.वि.चांद, कैमूर

चहक

उर्दू प्रा.वि.कंरवन्दिया चांद, कैमुर

चहक

उर्दू प्रा.वि.कंरवन्दिया चांद, कैमुर

चहक

उर्दू प्रा.वि.कंरवन्दिया चांद, कैमुर

चहक

उ. प्रा.वि. पतेरी चांद, कैमुर

उर्दू
प्रा.वि.करवन्दिया
चांद, कैमुर

कविता

दोस्त
राजेश से तो आज हो गई,
है मेरी कुट्टी मां।
अच्छा है विद्यालय जाने से,
मिली मुझे छुट्टी मां।।
रोज सवेरे आकर मुझे,
वह विद्यालय ले जाता था।
9 बजते ही इसी समय तो,
वह मेरे घर आता था।।
जब मां ने सुना तो,
झट से बोली, अच्छी नहीं है बात।
फूल देकर बोली,
चलो दोस्ती कर लो ।
देकर उसे फूल,
फूल लेकर रोहन चला,बनाने दोस्त।।
दोस्त बना ,
दिया उसे फुल।
हमें खिला दो खाना मां,
अब हम जाएंगे स्कूल।।
प्रमोद कुमार"निराला"
क .म.वि.चांद , कैमूर

मॉनिटर
रोहन बना क्लास मॉनिटर,
गजब शान दिखाता है।
जानता वह कुछ भी नहीं,
और हम पर रोब जमता है।।
जब क्लास में सर/मैम नही,
तो खुद ही टीचर बन जाता है।
कलम, काफी लेकर,
बस नाम लिखने लग जाता है।।
खुद तो हमसे बात करें,
हमें वह चुप करवाता है।
काम देकर, गतिविधियों में,
सहयोग हम सबकोभा जाता है।।
प्रमोद कुमार "निराला"
क.म.वि. चांद, कैमुर

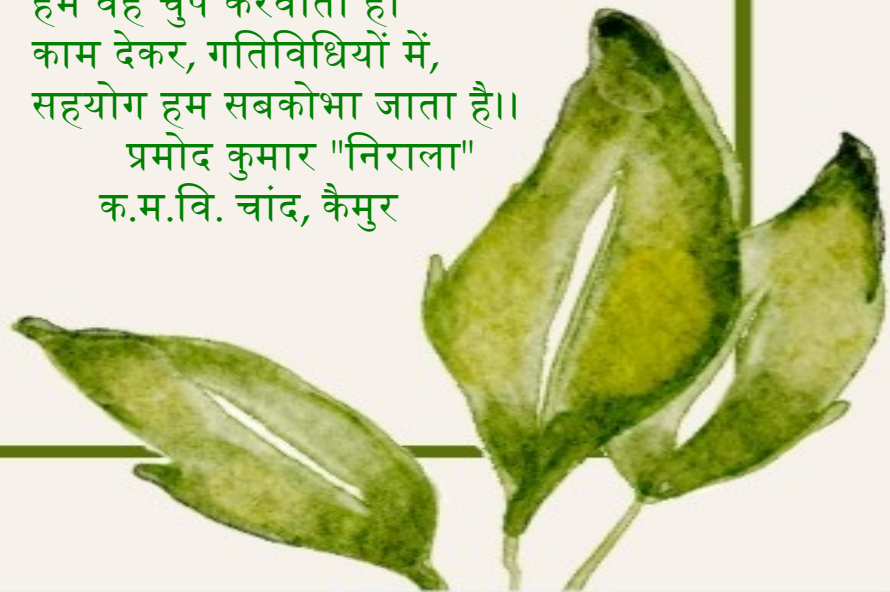

कहानी

TEACHERS OF BIHAR

अक्टूबर 2023

बालमन कहानी

मोहन का घमंड

जनभावना मध्य विद्यालय लालगढ़ का एक आदर्श स्कूल था। यहां नामांकन का मतलब था दसवीं में अच्छे अंकों से पास होने की गारंटी।
इस कारण सभी लोग इस स्कूल में अपने बच्चों को पढ़ाना अपना सौभाग्य समझते थे।

इसी स्कूल में मोहन नाम का एक विधार्थी भी पढ़ता था। वह था तो पढ़ने में अव्वल परन्तु घमंडी था एक नम्बर का। इसलिए लोग उसकी पढ़ाई वाले गुणों को देखने की कोशिश नहीं करते थे।

आज स्कूल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को आकर अपने अपने प्रदर्शन दिखलाने की बारी थी। इस कारण रिहर्सल का काम करने के लिए प्रथम पाली में सबों को बुलाया गया था। सभी बच्चे आकर अपने अपने रोल का रिहर्सल कर, फाइनल सन्ध्या को होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए चल दिए।

प्राचार्य को ज्ञात हुआ कि मोहन अपने रोल के रिहर्सल के लिए नहीं आया है। स्कूल के चपरासी से मोहन को खबर भेजी गई कि आकर वह भी अपना रिहर्सल कर ले ताकि सन्ध्या के प्रोग्राम में कोई दिक्कत न हो। प्राचार्य की बात को भी मोहन नहीं माना और कहलवाया कि वह सन्ध्या के प्रोग्राम में सफलता पूर्वक सब मिले रोल को पूर्ण रूप से कर लेगा। प्राचार्य तो मोहन के गुणों से अवगत थे ही इस कारण बात आई और गई। होकर रह गई।

सन्ध्या के समय सभी प्रतिभागियों के द्वारा अपना अपना जौहर दिखलाने की बारी आई। सब अपने रोल को पूरी जिम्मेदारी से निभाने में सफल रहे। मुख्य अतिथि स्कूल इन्स्पेक्टर प्रतिभागियों के प्रदर्शन से खुश दिखाई दे रहे थे। बच्चों में भी अद्भुत खुशी दिख रही थी।

अन्तिम भूमिका मोहन की जिसमें उसे मृदंग बजाने की भूमिका मिली हुई थी। वह इसमें पारंगत भी था परन्तु अपने बडबोले पन के कारण व वह एक सप्ताह से इसका रियाज नहीं कर रहा था। इस कारण स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव पर वह सफल नहीं हो सका। स्कूल के संगीत शिक्षक डॉ. नवीन उपाध्याय ने भी बहुत कोशिश की परन्तु वह सफल नहीं हो सका। आज प्राचार्य की स्कूल में किर-किरी हो गई थी। आज संगीत शिक्षक डॉ. नवीन उपाध्याय सर भी काफी दुखी हो रहे थे। मोहन ने अपने घमंड से स्कूल का नाम खराब कर दिया था।

पुरस्कार वितरण के बाद अपने भाषण में मुख्य अतिथि ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम काफी अच्छा रहा। सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले शुभम को सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार दिया गया।

अंत में अपने समापन भाषण में मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चों को सफलता के लिए लगातार प्रयासरत रहने की जरूरत है। इसी लगातार किए गए श्रम से ही सफलता मिलती है। सभी के सामने शुभम की उन्होंने खूब प्रशंसा की । अन्त में मोहन की बात आई तो उन्होंने मोहन का उदाहरण देते हुए कहा कि बच्चों को अतिआत्मविश्वास से बचने की जरूरत है। यह बहुत खराब चीज होती है। यह घमंड को ही जन्म देता है। इसलिए रियाज लगातार करने की जरूरत है। उन्होंने मोहन को सीखने की बात भी कह गए। आज मोहन को सबों के सामने मुख्य अतिथि से अपमानित होते देख प्राचार्य भी दुखी थे। मोहन शर्मिंदा होकर अपने सिर को भी उठाने में शर्म महसूस कर रहा था।

लेखक परिचय

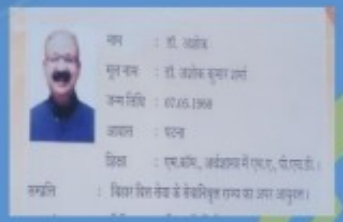

फोटो आंफ द मंथ

शुभम वर्ग 8
उ.म.वि.बडहरिया , चांद, कैमुर

फोटो आंफ द मंथ

शुभम वर्ग 8
उ.म.वि.बडहरिया , चांद, कैमुर

फोटो आंफ द मंथ

शुभम वर्ग 8
उ.म.वि.बडहरिया ,
चांद, कैमुर

खुशबू 5 उ. म.वि गेहुंआ चांद
कैमुर

स्मिता वर्ग
7उ.म.वि.बडहरिया चांद,
कैमुर

फोटो आंफ द मंथ

शुभम वर्ग ४
उ.म.वि.बडहरिया , चांद, कैमुर

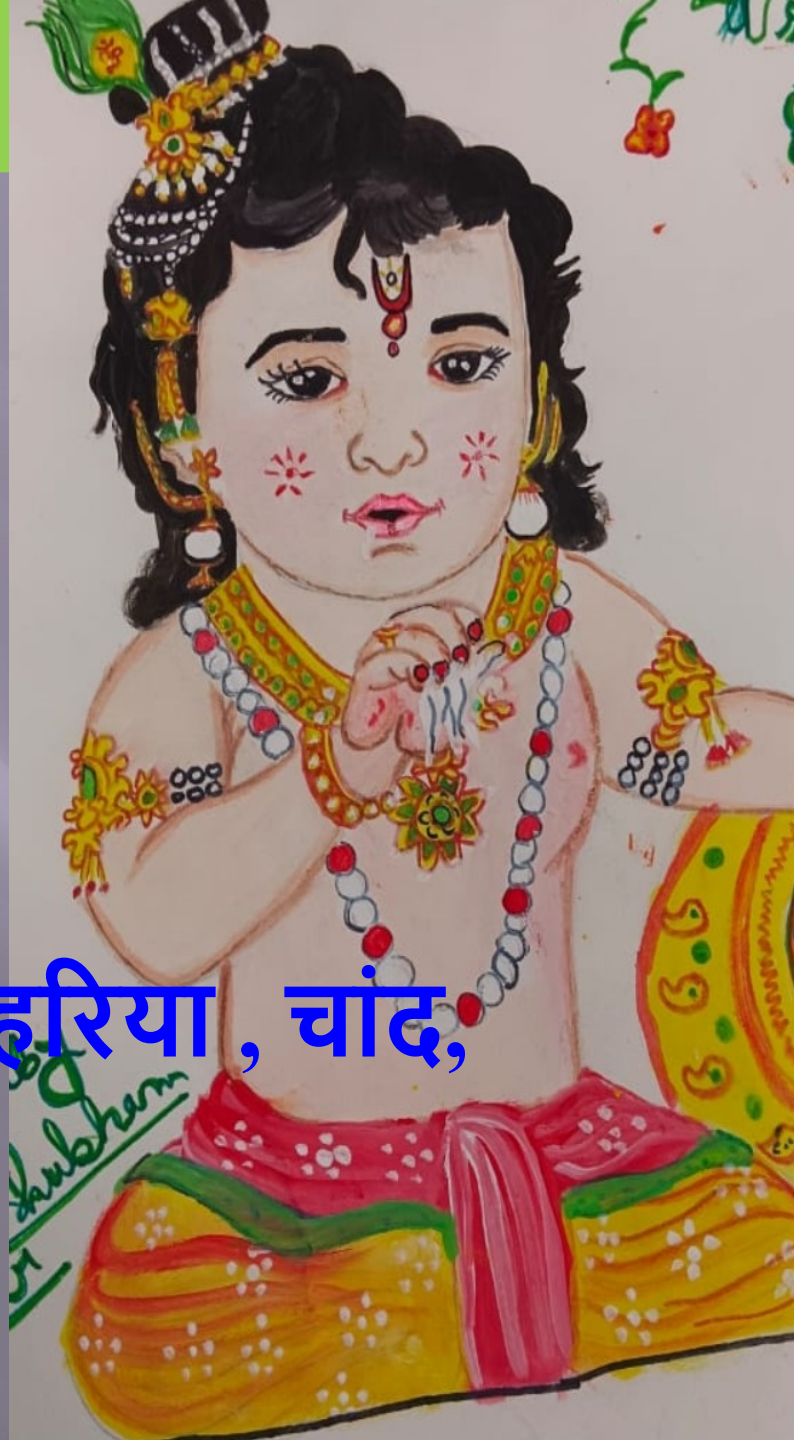

फोटो आंफ द मंथ

उ.म.वि.चन्दा , चांद, कैमुर

कैमूर एक परिचय

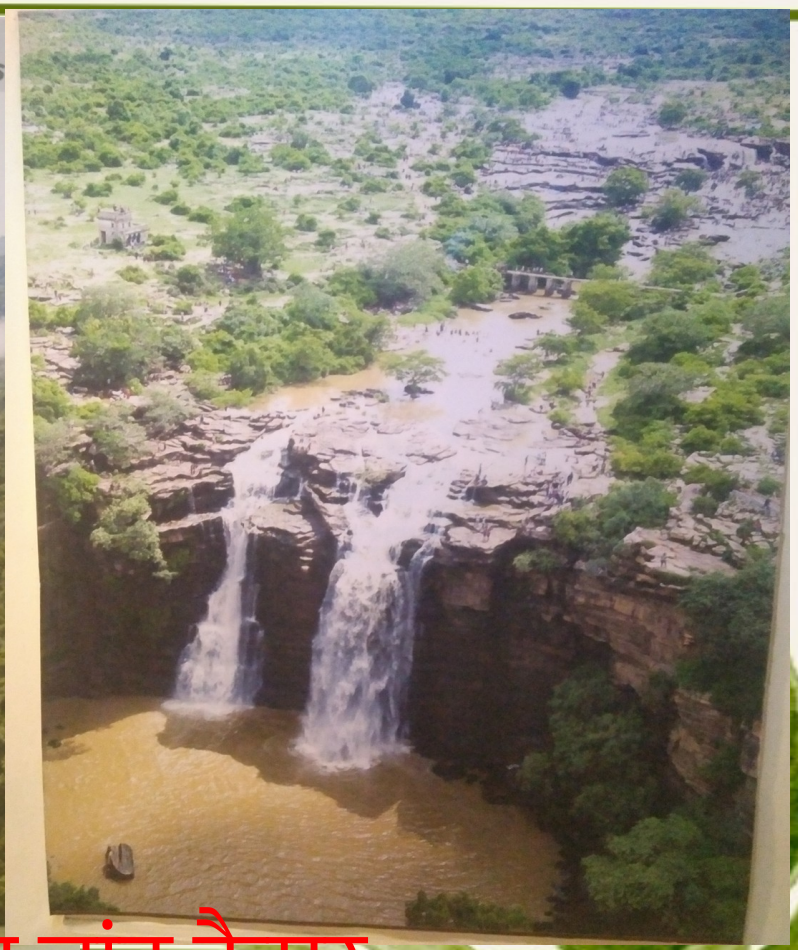

बालमन टीम चांद कैमूर

@reallygreatsite

सायकिल है सहयोगी

ग्लोबल वार्मिंग
धरती में बढ़ती गर्मी आज दुनिया की सबसे बड़ी चिंता है । अंधाधुंध विकास की सौगात ने मानव,पशु समेत धरती के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। पर अभी भी उम्मीद की चंद किरणें बाकी है ।अपने जीवन शैली में बदलाव लाकर हम पर्यावरण के साथ फिर से अपनी दोस्ती पक्की कर सकते हैं।ऐसा ही एक बदलाव है परिवहन के साधन के रूप में साइकिल को अपना कर और साइकिल की सवारी कर।

बालमन टीम चांद, कैमुर

@reallygreatsite

@reallygreatsite

आओ पेड़ लगाए

हमें सब मालूम है साहब पेड़ वर्षा करते हैं। पेड़ हवा साफ करते हैं और मिट्टी को जकड़े रखते हैं। हमारे देश की ग्रामीण जनता भी जानती है कि पेड़ काटना हानिकारक है परंतु उनके पास विकल्प न होने के कारण ही मजबूर होकर कुल्हाड़ी उठाते हैं। हम जानते हैं हमारे देश में पर्वत, नदियों और पेड़ों की पूजा होती है उनमें देवताओं का वास माना गया है। फिर कोई ऐसे ही थोड़े ही पेड़ काटने दौड़ दौड़ेगा। इसलिए मेरे मित्रों इन छोटे नन्हे मुन्ने हाथों से एक पेड़ को लगाये और आने वाले जीवन के बचाव में सहभागिता निभाए।

बालमन दीप चांद, कैमूर

@reallygreatsite

दुसर प्रखंड आपन जिला

उ.उ.वि.कोटा नुवांव

दुसर प्रखंड आपन जिला

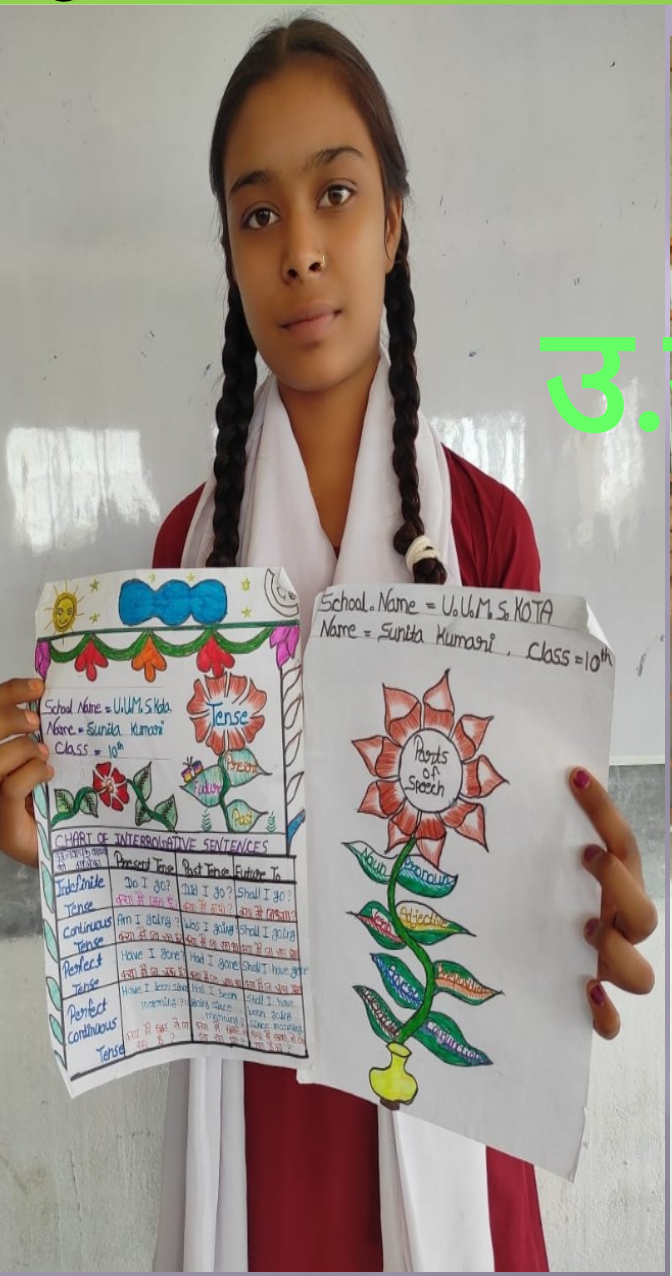

उ.उ.वि.कोटा नुवांव

दसर प्रखंड आपन जिला

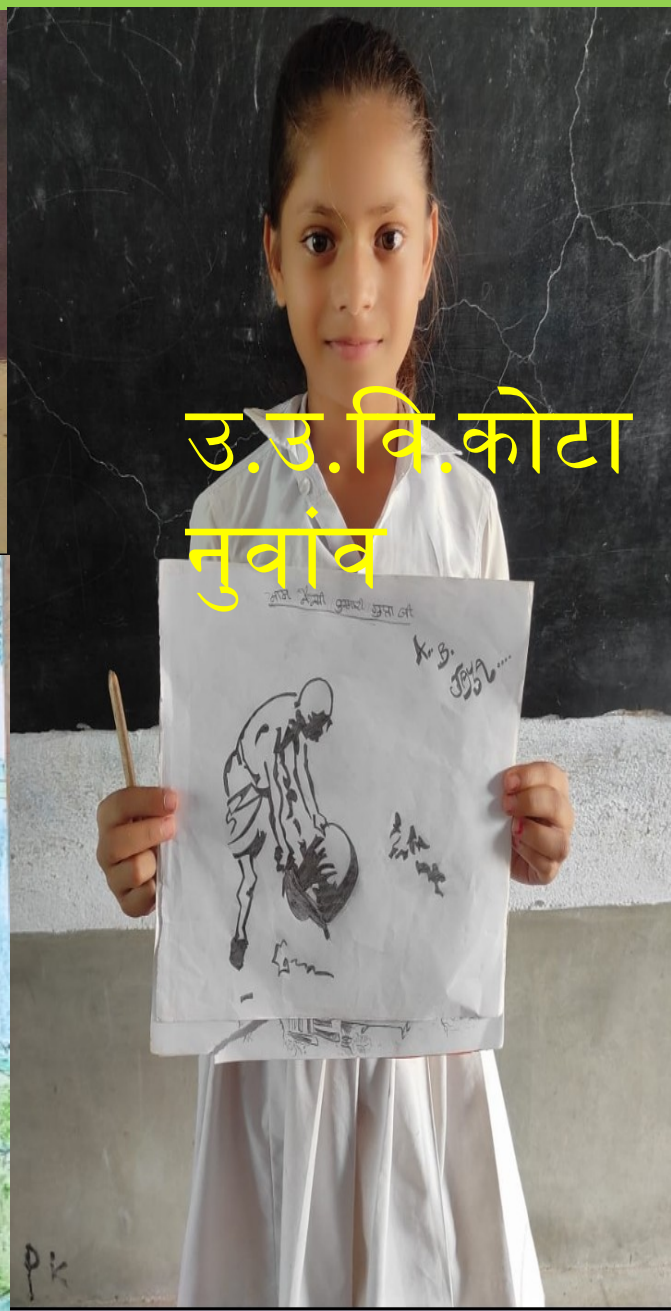

दुसर प्रखंड आपन जिला

म.वि.बम्हौर,
मोहनिया, कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

प्रा.वि.तरहनी कुदरा कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर प्रखंड आपन जिला

म.वि.सिलौटा भभुआ, कैमूर

दूसर जिला आपन राज्य

अमरेन्द्र कुमार समस्तीपुर

सुहानी सुमन समस्तीपुर

दुसर जिला आपन राज्य

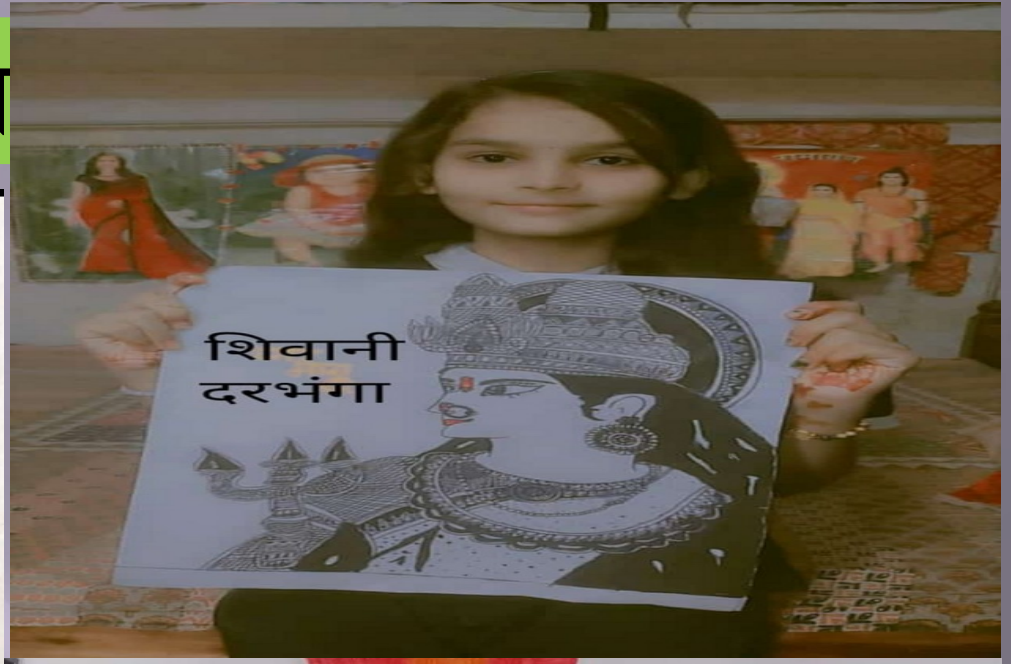

दुसर जिला आपन राज्य

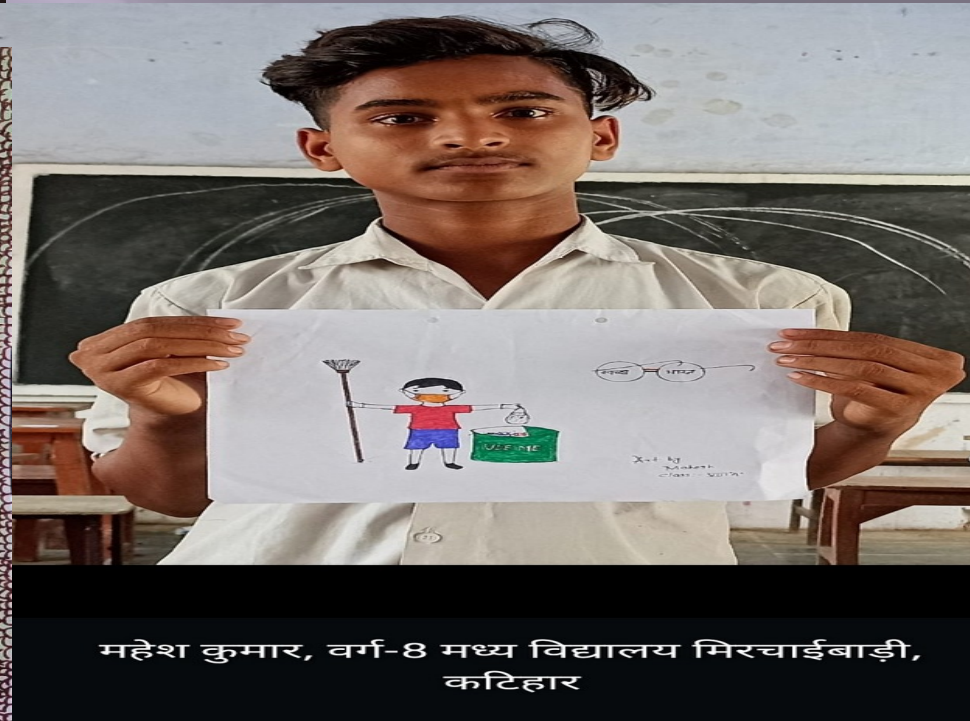

चेतना सत्र

पर्दा नशीन प्रा.वि. करवन्दिया , चांद, कैमुर

चेतना सत्र

पर्दा नशीन प्रा.वि. करवन्दिया , चांद, कैमुर

चेतना सत्र

उ.म.वि.पाढी, चांद, कैमुर

चेतना सत्र

कलाकृति

क.म.वि.चांद, कैमूर

कलाकृति

क.म.वि.चांद, कैमूर

कलाकृति

उ.उ.वि.भलुहारी चांद, कैमूर

म.वि.चांद कैमूर

कलाकृति

आतिश,रितीश वर्ग 5

न्यू प्रा.वि.भेरी चांद, कैमुर

कलाकृति

अंजली वर्ग 8
उ.उ.वि.भलुहारी
चांद कैमुर

शिवानी वर्ग 5
उ.म.वि.बभनियांव
चांद, कैमुर
10:55

उर्दू
प्रा.वि.कंरवन्दिया
चांद, कैमुर

काजल कुमारी वर्ग 8
उ.म.वि.गेहुआं

कलाकृति

न्यू प्रा .वि.भेरी
चांद कैमुर

गुंजन 2
उ.म.वि.लेदरी , चांद,
कैमुर

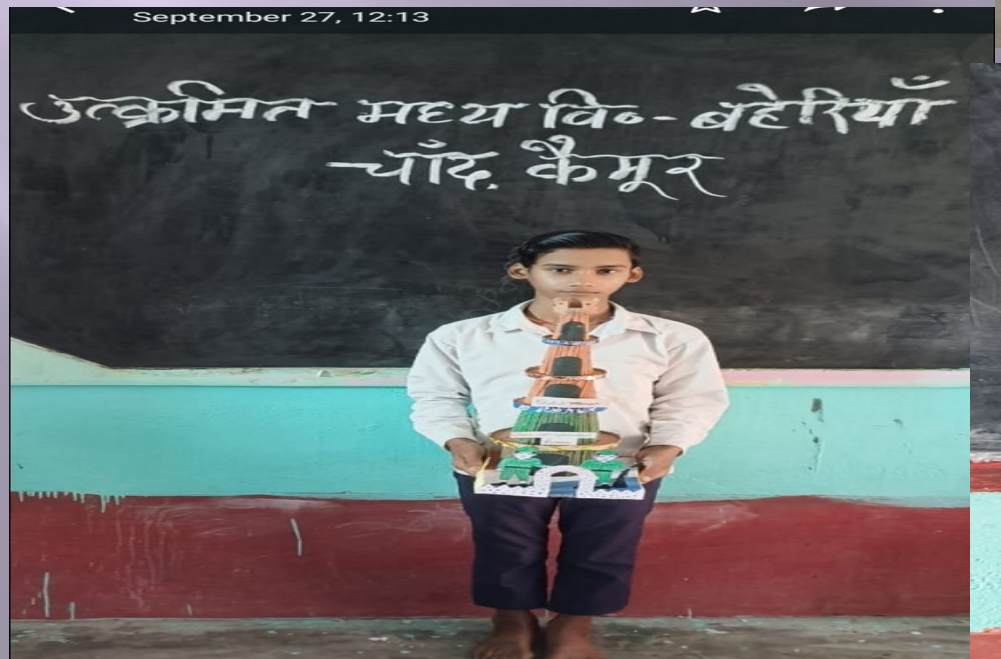

September 27, 12:13
उत्क्रमित मध्य वि०- बहेरियाँ
चाँद. कैमूर

उ.म.वि.बहेरिया
चांद, कैमुर

कलाकृति

उ.म.वि.लेदरी , चांद , कैमुर

कलाकृति

ओमप्रकाश 8
उ.म.बि.बहेरिया चांद
कैमुर
OMPRKASH KUMAR
OMPRKASH KUMAR

श्वेता 7 उ.म.वि. पाढी
चांद कैमुर
REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

कलाकृति

विश्वास 7
उ.उ.वि.भलुहारी चांद, कैमुर

अर्चना 3
उ.उ.वि.भलुहारी चांद, कैमुर

अंजली वर्मा 8
उ.उ.वि.भलुहारी चांद कैमुर

रानी 8
उ.उ.वि.भलुहारी चांद, कैमुर

भूकंप जागरूकता

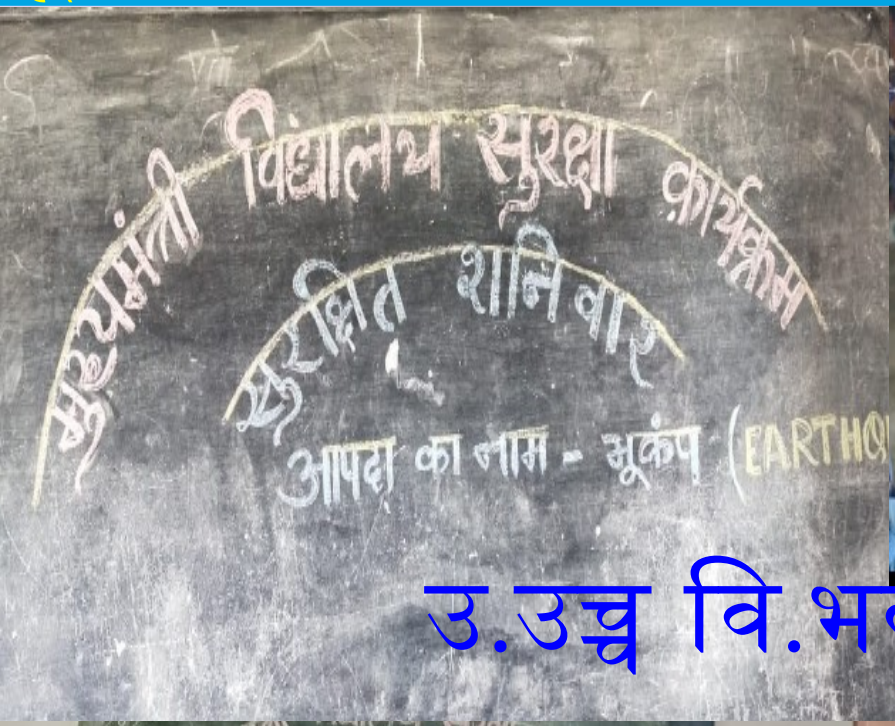

उ.उच्च वि.भलुहारी, चांद, कैमुर

भूकंप जागरूकता

उ.म.वि.पाढी, चांद, कैमुर

उर्दू प्रा.वि.कंरवन्दिया
चांद, कैमुर

उ.म.वि.पाढी, चांद, कैमुर

भूकंप जागरूकता

पेंटिंग

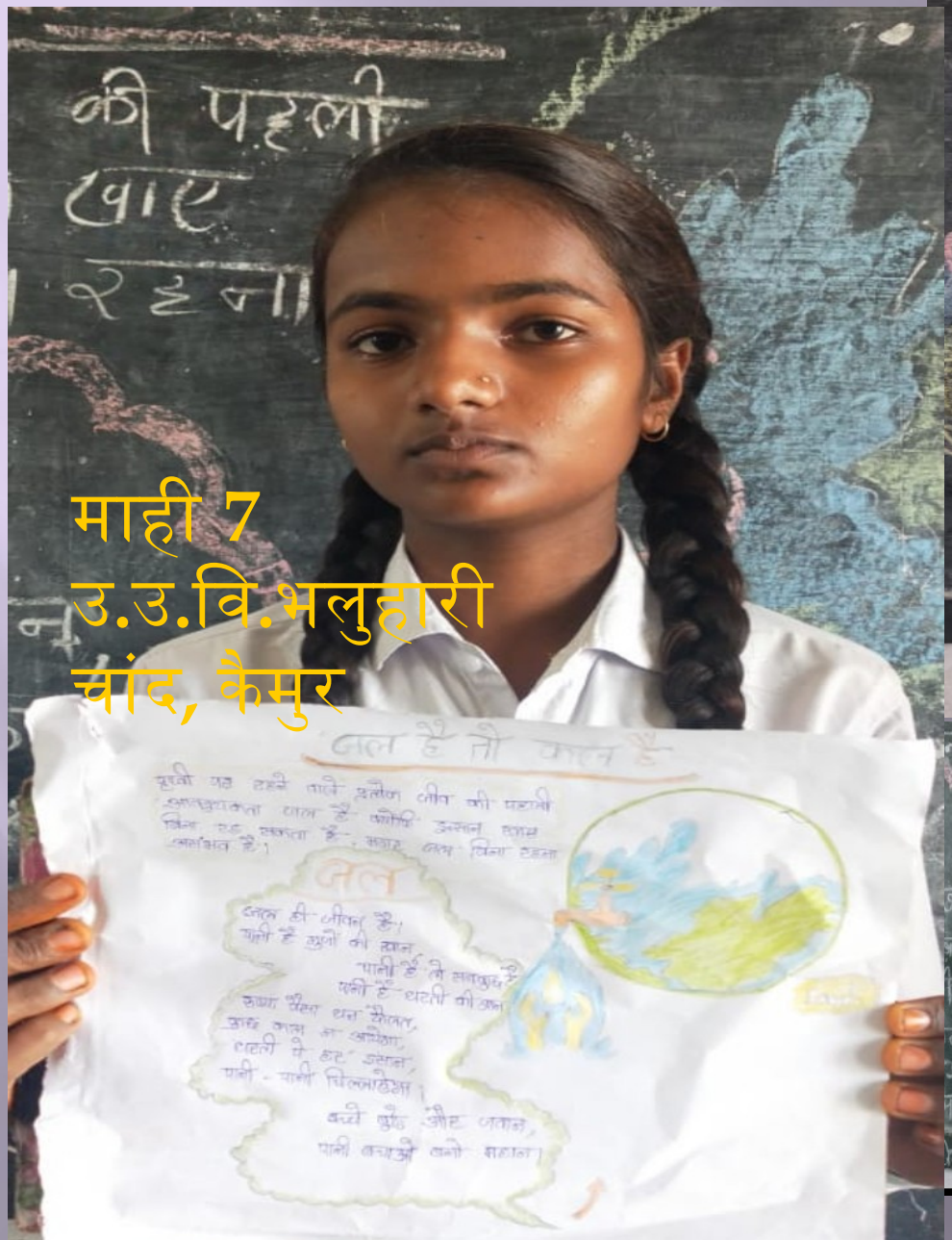

पेंटिंग

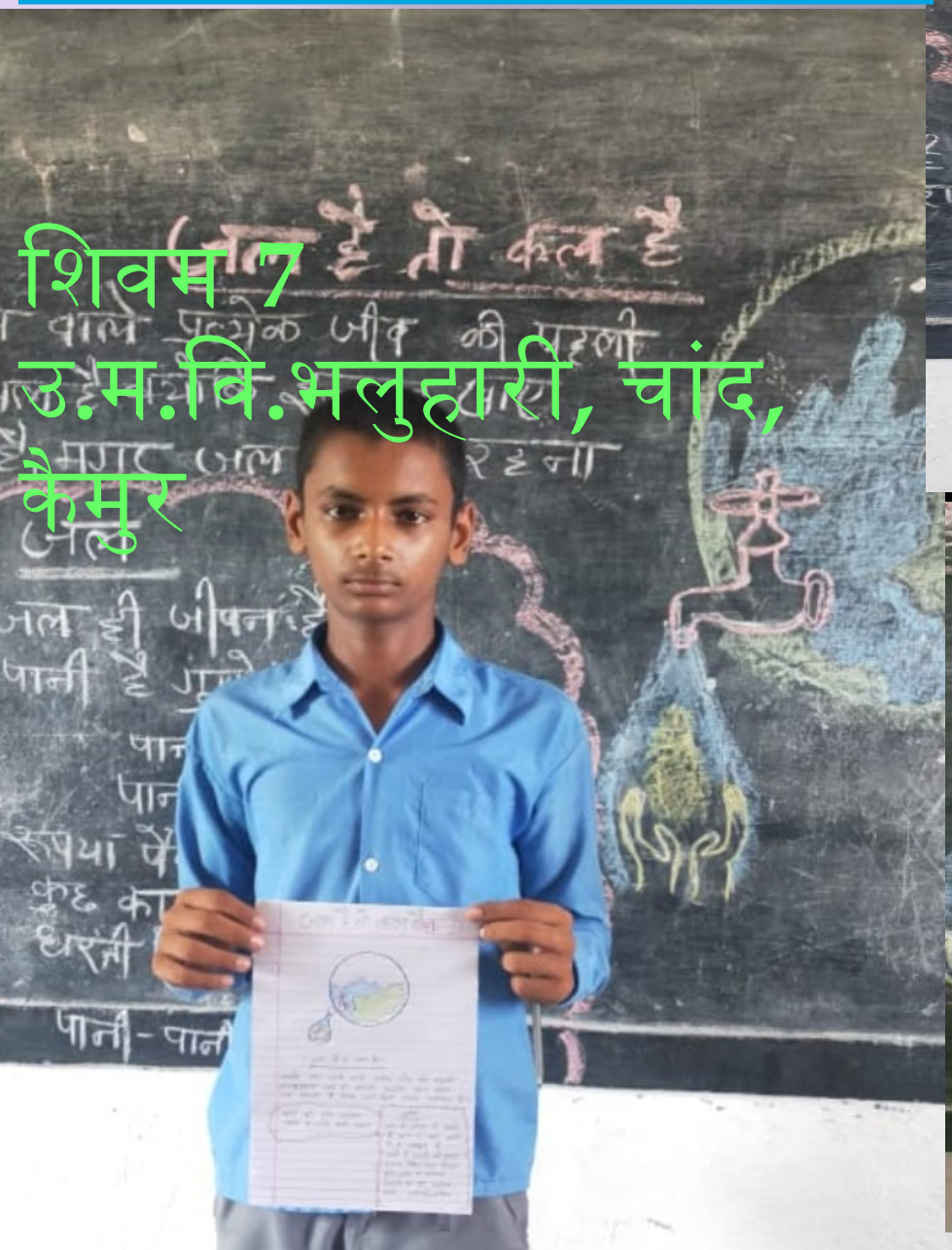

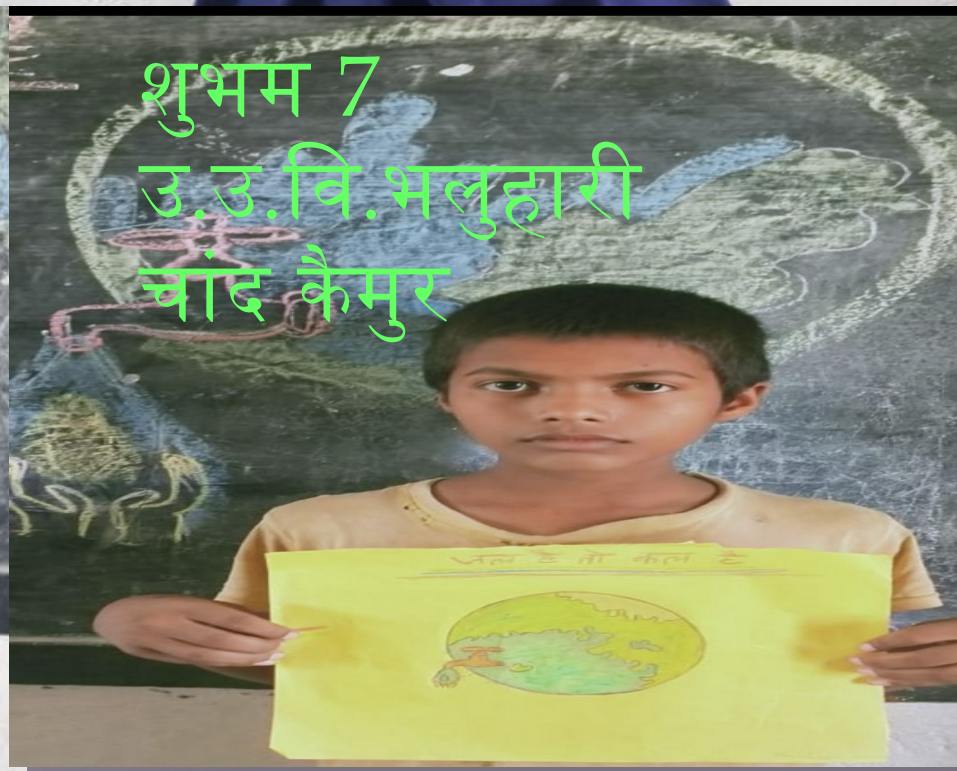

पेंटिंग

चांदनी 8
उ.उ.वि.भलुहारी चांद, कैमुर

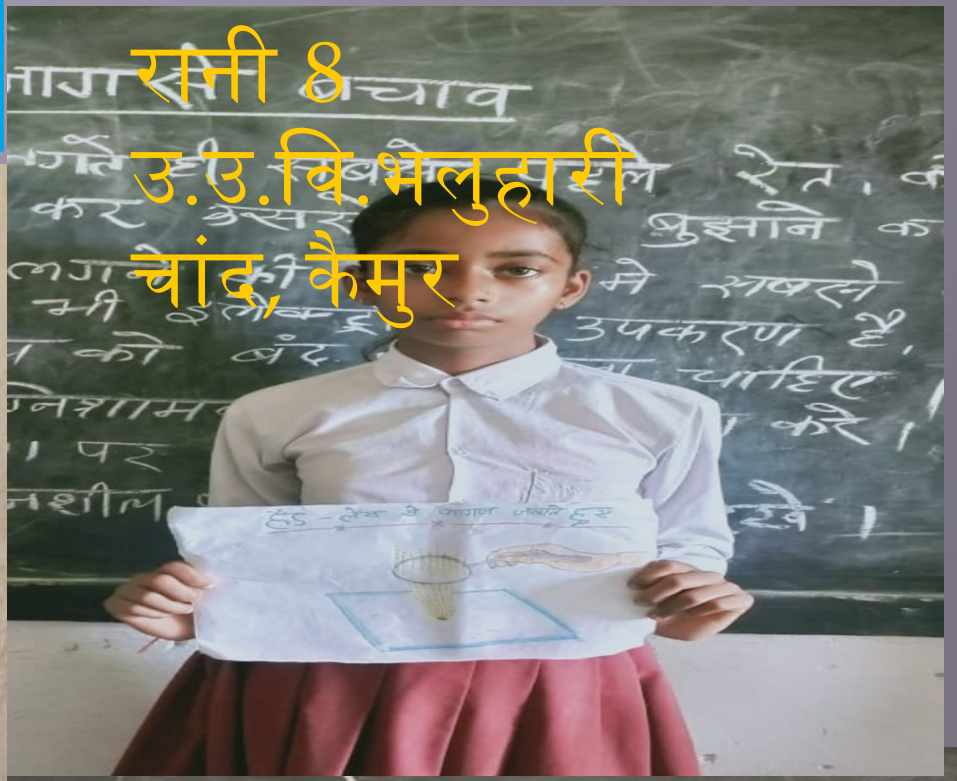

रानी 8
उ.उ.वि.भलुहारी चांद, कैमुर

रानी 8
उ.उ.वि.भलुहारी चांद, कैमुर

पेंटिंग

किंजल कुमारी वर्ग 5
उ.मा..स्कूल चौरी चांद कैमूर

सोनी मोर्या वर्ग 5
उ.मा.स्कूल चौरी, चांद, कैमूर

खुशी कुमारी वर्ग 2
उ.म.वि.पतेरी , चांद कैमुर

नन्दनी वर्ग 2

पेंटिंग

आतिश कुमार वर्ग 5
न्यू प्रा.वि.भेरी चांद, कैमुर

रुचि वर्ग 3 प्रा.वि.सोनांव चांद, कैमु

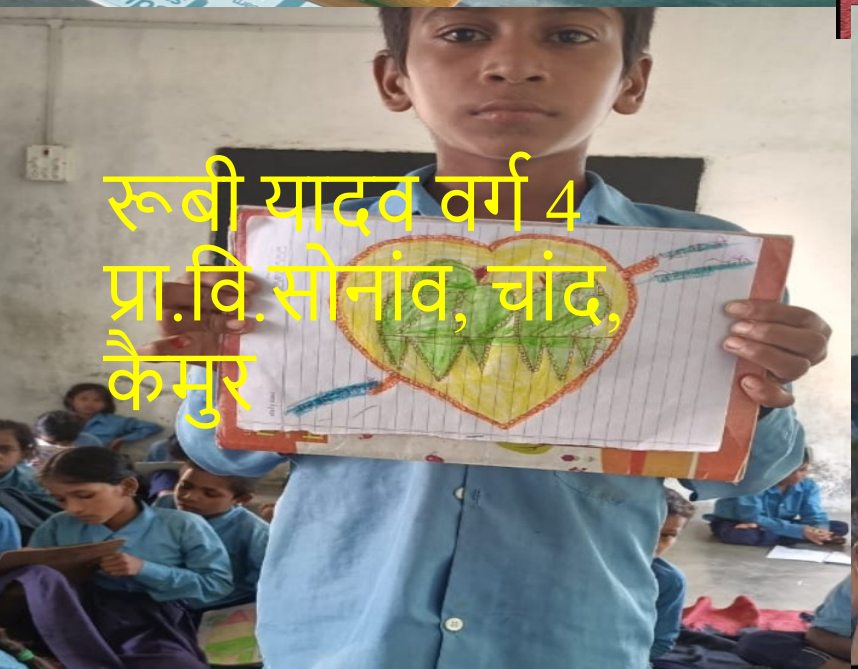
रूबी यादव वर्ग 4
प्रा.वि.सोनांव, चांद, कैमुर

सपना, संध्या,किशन वर्ग 2
प्रा.वि.सोनांव चांद, कैमुर

मेरी उड़ान

उ.म.वि.पतेरी, चांद, कैमुर

मेरी उड़ान

उर्दू,
प्रा.वि.करवन्दिया
चांद, कैमुर

मूल्यांकन

स्वच्छता

क.म.वि.चांद कैमूर

स्वच्छता

स्वच्छता

उर्दू प्रा.वि.कंरवन्दिया
चांद, कैमुर

पढ़ता बिहार बढ़ता बिहार

क.म.वि.चांद, कैमूर

कला प्रदर्शन

न

क.म.वि.
चांद,
कैमूर

जयंती

उ.म.वि.चन्दा चांद, कैमुर

प्रा.वि.भरुहिया चांद, कैमुर

जयंती

उ.म.वि.किलनी , चांद, कैमुर

जयंती

क.म.वि.चांद, कैमूर

मेरा माटी मेरा देश

क.म.वि.चांद, कैमूर

महात्मा गाँधी

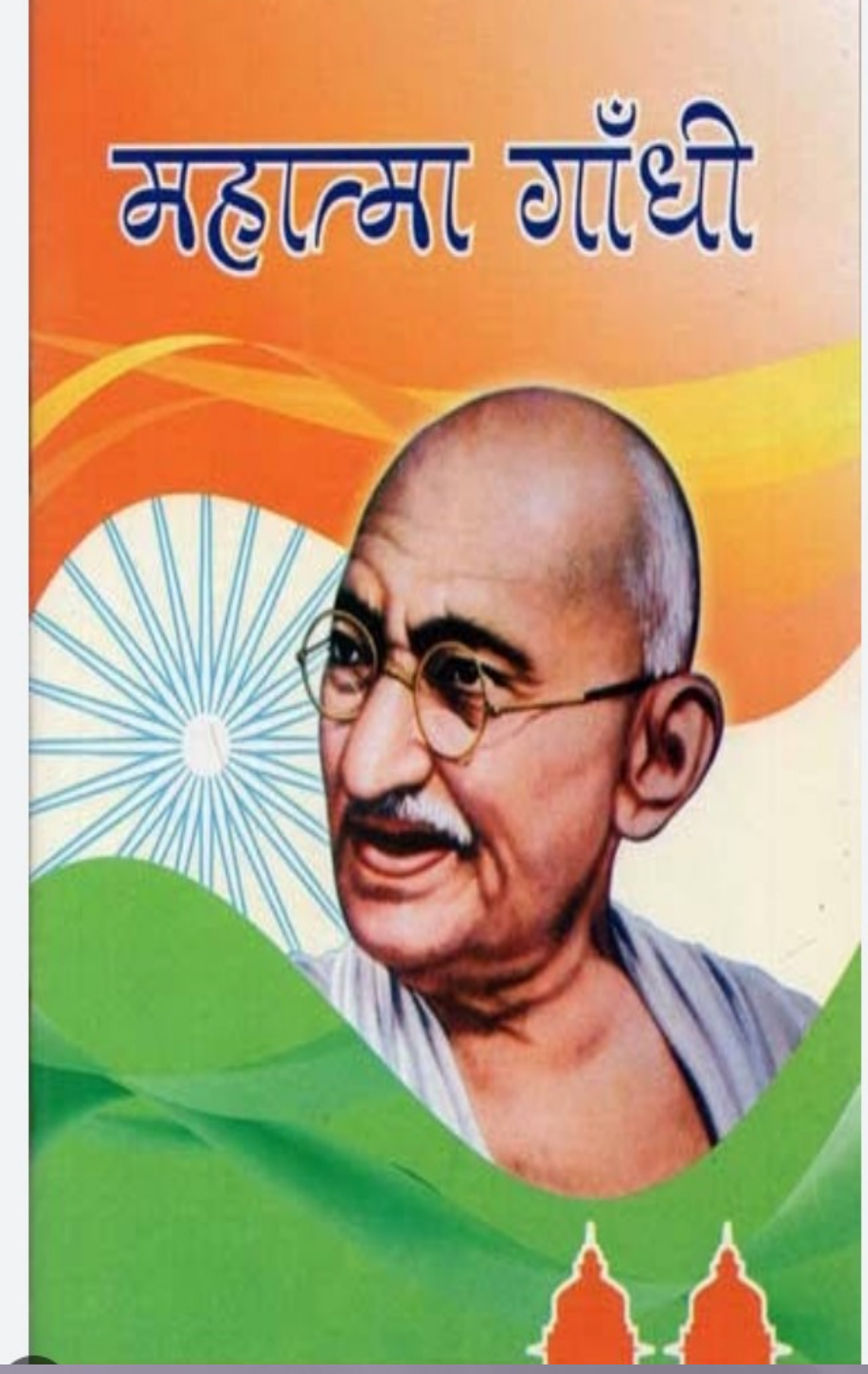

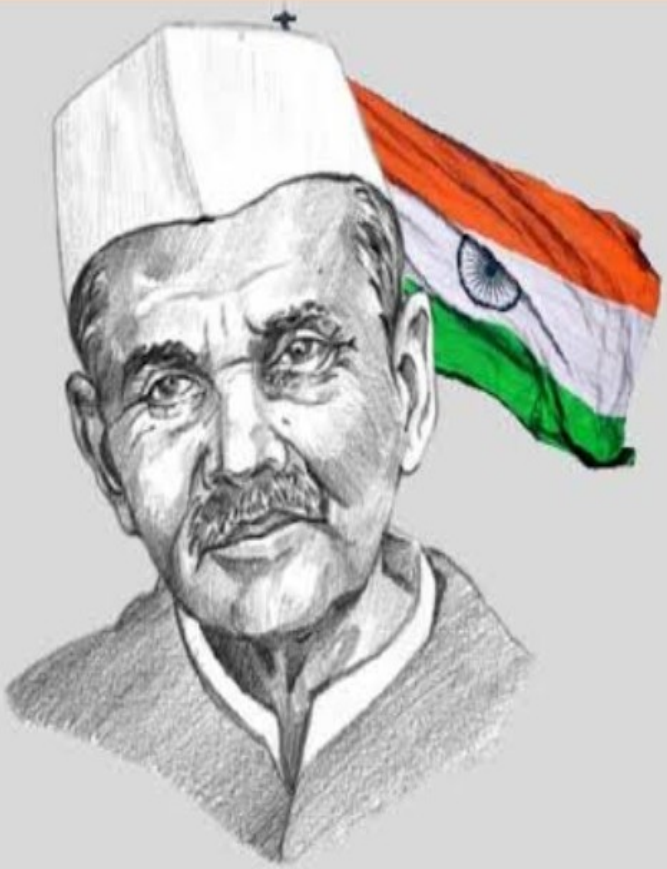

भारत रत्न
श्री लाल बहादुर शास्त्री जी

की जयंती पर

उन्हें शत-शत नमन

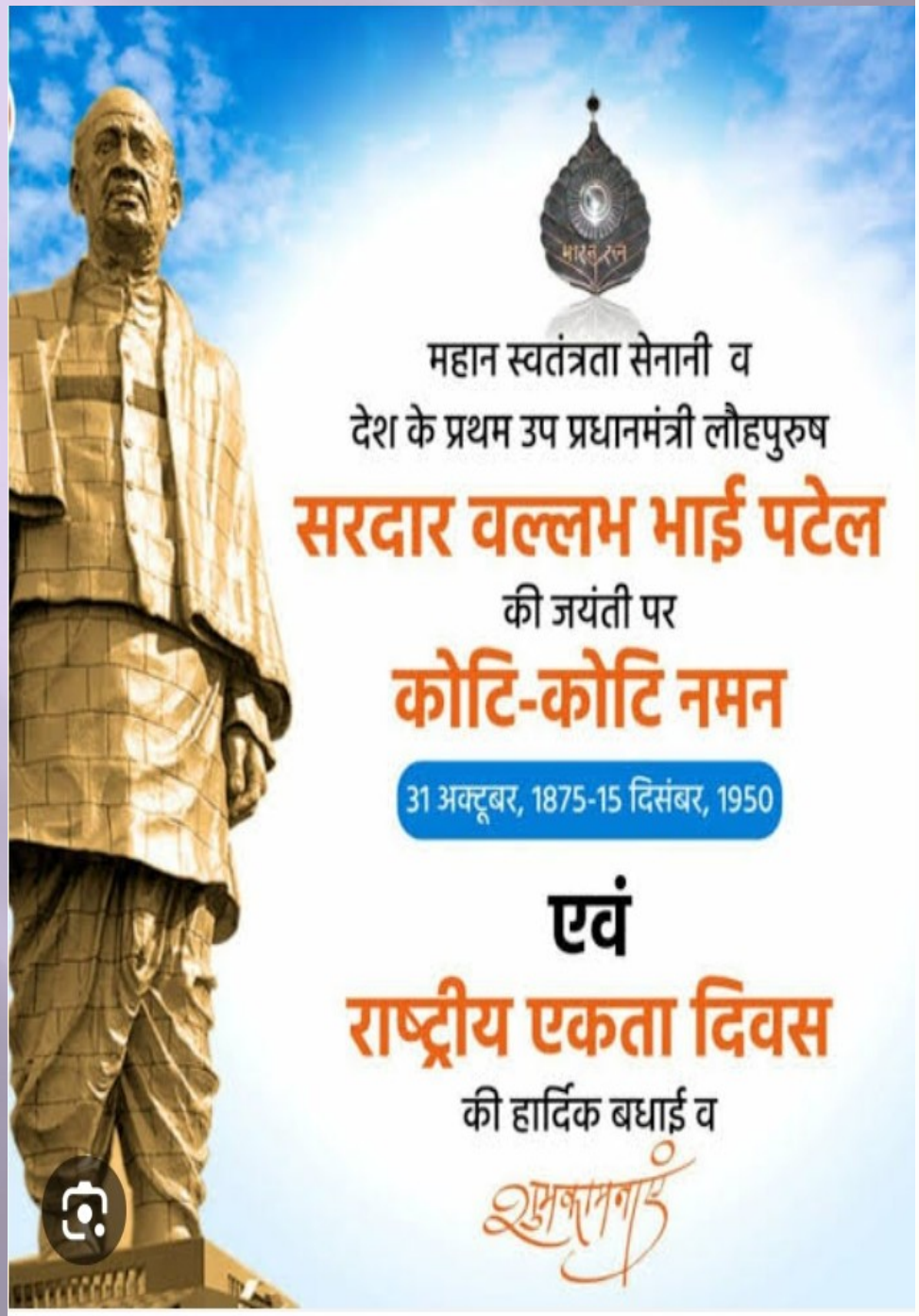
महान स्वतंत्रता सेनानी व
देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौहपुरुष
सरदार वल्लभ भाई पटेल
की जयंती पर
कोटि-कोटि नमन
31 अक्टूबर, 1875-15 दिसंबर, 1950
एवं
राष्ट्रीय एकता दिवस
की हार्दिक बधाई व
शुभकामनाएं

Tentaran.com
राष्ट्रीय
एकता
दिवस
भारत का यह सम्मान है,
एकता हमारी शान है।

महत्वपूर्ण दिवस

1अक्टूबर -अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस
2 अक्टूबर -महात्मा गांधी जयंती
लाल बहादुर शास्त्री
जयंती
3 अक्टूबर-विश्व शिक्षक दिवस
8 अक्टूबर-भारतीय वायु सेना दिवस
9 अक्टूबर-विश्व डाक दिवस
11अक्टूबर-अंतरराष्ट्रीय बालिका
दिवस
24 अक्टूबर-संयुक्त राष्ट्र दिवस
31 अक्टूबर-राष्ट्रीय एकता दिवस

बालमन टीम चांद कैमूर

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

Thank you